सत्र समापन अवसर पर माननीय अध्यक्ष महोदय का उद्‌बोधन

दिनांक 19 मार्च, 2008

छत्तीसगढ़ राज्य की द्वितीय विधान सभा के चौदहवें सत्र एवं इस द्वितीय विधान सभा के अंतिम बजट सत्र के समापन अवसर पर मैं आप सभी माननीय सदस्यों को बधाई देता हूं । यह सत्र 18 फरवरी से 2 अप्रेल, 2008 तक के लिए आहूत था परंतु सामयिक परिस्थितियों को दृष्टिगत रखते हुए आप सभी की सहमति से सत्र के कार्यदिवसों में आंशिक संशोधन करते हुए यह सत्र आज समाप्त हो रहा है । 18 फरवरी को महामहिम राज्यपाल जी के अभिभाषण से आरंभ होकर 19 मार्च, 2008 तक चलने वाले इस सत्र में कुल 21 बैठकें सम्पन्न हुई ।

छत्तीसगढ़ विधान सभा ने संसदीय मूल्यों की स्थापना का जो उदाहरण प्रस्तुत किया है वह निश्चित ही प्रेरणास्वरूप है और यह आप सबके कार्य व्यवहार एवं सहयोग से ही संभव हो सका है । किसी भी संसदीय सदन की प्रतिष्ठा उस सदन के माननीय सदस्यों के कार्य, विचार व व्यवहार पर निर्भर करती है । मुझे यह बतलाते हुए अत्यंत गर्व की अनुभूति हो रही है कि छत्तीसगढ़ विधान सभा के पक्ष–प्रतिपक्ष के सभी माननीय सदस्यों ने लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं के प्रति न केवल आस्था व्यक्त की है वरन् उसे अपने कार्य एवं व्यवहार में भी समाहित किया है । लोकतंत्र के प्रति सम्मान एवं सभा के प्रति मर्यादा, आदर एवं जनप्रतिनिधि के रूप में अपने कर्त्तव्यों के परिपालन में विधान सभा के सदस्यों की कार्यशैली तथा पक्ष एवं प्रतिपक्ष के मध्य आपस में समन्वय की अनूठी सकारात्मक सोच को छत्तीसगढ़ विधान सभा के जनप्रतिनिधियों ने इस सदन में स्थापित किया है निश्चित रूप से वह लोकतांत्रिक भावनाओं का आदर्श स्वरूप है ।

मैं इस सत्र में सम्पन्न कार्यों की संक्षिप्त जानकारी से आपको अवगत करा रहा हूं । इस बजट सत्र में कुल 21 कार्य दिवसों में 98.43 घंटे चर्चा हुई । इन 21 दिवसों में 152 प्रश्न सभा में पूछे गये, और उनके उत्तर शासन द्वारा दिये गये । इस प्रकार प्रतिदिन प्रश्नों का औसत 08 रहा । 1512 तारांकित एवं 804 अतारांकित प्रश्नों की सूचना प्राप्त हुई । इस प्रकार कुल 2316 प्रश्नों की सूचना प्राप्त हुई । इस सत्र में कुल 169 स्थगन की सूचना प्राप्त हुई जिनमें से 01 की ग्राह्यता पर चर्चा हुई । शून्यकाल की 59 सूचनाएं प्राप्त हुई जिनमें 27 सूचनाएं ग्राह्य और 32 सूचनाएं अग्राह्य रही । ध्यानाकर्षण की कुल 504 सूचनाएं प्राप्त हुई जिनमें से 113 सूचनाएं ग्राह्य और 343 सूचनाएं अग्राह्य रही । वर्तमान सत्र में 163 याचिकाएं माननीय सदस्यों द्वारा प्रस्तुत की गई जिनमें 46 ग्राह्य व 117 अग्राह्य रही, 04 व्यपगत रही। 48 अशासकीय संकल्प माननीय सदस्यों द्वारा दिये गये जिनमें 15 संकल्प ग्राह्य हुए, इनमें 03 संकल्प स्वीकृत हुए तथा 33 अग्राह्य हुए । इस सत्र में 10 शासकीय विधेयक की सूचनाएं प्राप्त हुई और 10 विधेयकों पर चर्चा हुई और सभी पारित हुए।

वित्तीय कार्यों के अंतर्गत अनुपूरक अनुमान पर 54 मिनट चर्चा हुई ।

प्रत्येक बजट सत्र में माननीय सदस्यों के स्वास्थ्य परीक्षण के लिए स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जाता है, उसी क्रम में इस सत्र के दौरान माननीय सदस्यों के लिए स्वास्थ्य परीक्षण शिविर आयोजित हुआ । अंतर्राष्ट्रीय किडनी–डे के अवसर पर मेडिकल कॉलेज, रायपुर के मेडिसीन प्रभाग द्वारा किडनी से संबंधित विषय पर आप सब की जागरूकता के लिए शिक्षाप्रद कार्यशाला आयोजित की गई । पूर्व सत्रों की भांति इस सत्र के दौरान भी संसदीय ज्ञान को विस्तारित एवं व्यापक बनाने के लिए और विषय से जुड़ी जिज्ञासाओं को शांत करने के उद्‌देश्य से, आने वाली पीढ़ी में संसदीय संस्कारों के बीज रोपित करने के उद्‌देश्य से

शैक्षणिक संस्थाओं के 54 छात्र–छात्राओं एवं राज्य सेवा के अधिकारी, नागरिकगण कुल 174 ने विधान सभा की कार्यवाही का प्रत्यक्ष अवलोकन किया ।

छत्तीसगढ़ राज्य विधान सभा राष्ट्रकुल संसदीय संघ का सदस्य है । प्रत्येक मार्च का द्वितीय सोमवार राष्ट्रकुल दिवस के रूप में समस्त राष्ट्रकुल देशों में मनाया जाता है । इस अवसर पर राष्ट्रकुल संगठन का संदेश "पर्यावरण–हमारा भविष्य" का सभा में आसंदी से वाचन किया गया ।

मैं इस अवसर पर माननीय सदस्य श्री शिवप्रताप सिंह को उच्च सदन का सदस्य निर्वाचित होने पर बधाई देता हूं । निश्चित तौर पर अब उच्च सदन में इस राज्य की जनता की भावनाओं को अधिक अभिव्यक्ति प्राप्त होगी ।

बजट सत्र के दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन की परंपरा रही है । इसके तहत इस बजट सत्र में विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित हुए । दिनांक 12 मार्च को देश की सुप्रसिद्ध नृत्यांगना सुश्री सुधा चन्द्रन की शास्त्रीय नृत्य पर आधारित प्रस्तुति का सफल आयोजन हुआ वहीं दिनांक 13 मार्च को सुश्री सुष्मिता दास ने अपने सुगम संगीत के माध्यम से आप सभी का हृदय जीत लिया । इन सबसे हटकर विधायक क्लब के द्वारा दिनांक 18 मार्च को आयोजित विधायिका और कार्यपालिका की संयुक्त प्रस्तुति जिसमें आप माननीय सदस्यों ने न केवल अपनी सहभागिता दर्ज की अपितु अपनी संस्कृति और अपनी कला के प्रति समर्पण के भाव को भी स्थापित करने में आप सफल रहे । प्रतिभागी सभी माननीय सदस्यों को मैं विशेष रूप से धन्यवाद देता हूं कि आपकी सांस्कृतिक, साहित्यिक अभिरूचि के माध्यम से आप सबने हमें स्वस्थ्य, सुलभ मनोरंजन उपलब्ध कराया । इस आयोजन को गरिमामय ढंग से सम्पन्न कराने के लिए जिन कलाकारों का सहयोग रहा उन्हें भी मैं अपनी ओर से धन्यवाद देता हूं ।

इस बजट सत्र के संचालन में सदन के नेता माननीय मुख्यमंत्री जी, नेता प्रतिपक्ष तथा सभी माननीय सदस्यों के प्रति मैं हृदय से धन्यवाद देता हूं कि आप सभी के समन्वित सहयोग से ही सदन का कुशल एवं निर्बाध संचालन संभव हो पाया। सत्र समापन के अवसर पर मैं सम्माननीय पत्रकार साथियों के प्रति भी आभार व्यक्त करना चाहूंगा कि उन्होंने सदन की कार्यवाही को बड़ी गंभीरता से, प्रमुखता से स्थान दे लोकतंत्र में चौथे स्तंभ की लोकतंत्र के प्रति जिम्मेदारी एवं सजगता का जो परिचय दिया वह प्रशंसनीय है ।

सत्र के सफलतापूर्वक पूर्णता के अवसर पर राज्य शासन के समस्त अधिकारियों/कर्मचारियों को भी बधाई देता हूं कि उन्होंने अपने दायित्वों का गंभीरता से परिपालन किया । इस अवसर पर मैं सुरक्षा व्यवस्था में संलग्न अधिकारियों एवं कर्मचारियों को भी बधाई देता हूं जिन्होंने सुदृढ़ सुरक्षा व्यवस्था को पूरे सत्रकाल में कायम रखा ।

मैं विधान सभा सचिवालय के सचिव एवं समस्त अधिकारियों/कर्मचारियों को भी बधाई देता हूं जिनके समन्वित प्रयास से सभा की कार्यवाही संचालन में मुझे सहयोग प्राप्त होता है ।

यह परंपरा रही है सत्र के अंतिम कार्यदिवस में आगामी सत्र की संभावित तिथि की घोषणा की जाती है तदनुसार आगामी सत्र जो द्वितीय विधान सभा का 15वां सत्र होगा, जुलाई माह में संभावित है ।

आईये, हम सब छत्तीसगढ़ के नव–निर्माण के लिए, विकास के लिए कृत–संकल्पित हों, इन्हीं भावनाओं के साथ ।

धन्यवाद

जय भारत, जय छत्तीसगढ़

– – –